विचार बिन्दु

कुछ प्रलोभन परिश्रमी व्यक्ति को हो सकते हैं, किंतु सारे प्रलोभन तो केवल आलसी व्यक्ति पर ही आक्रमण करते हैं। –मुक्ता

गिग वर्कर्स - समस्याएं और चुनौतियां

(गिग) वर्कर्स शब्द वैसे तो 1952 से ही विश्व में प्रचलन में है, किंतु भारत में इसकी चर्चा हाल के वर्षों में ही प्रारंभ हुई है। यह शब्द उन व्यक्तियों के लिए काम में लिया जाता है जिनका नियोक्ता के साथ कर्मचारी वाला रिश्ता नहीं होता। यह बिल्कुल अल्प अवधि के लिए विशेष काम करने वालों पर लागू होता है। इनकी कार्य अवधि में बहुत लचीलापन संभव है और कोई भी व्यक्ति अपनी आवश्यकता और सुविधा अनुसार इस काम को कर सकता है, जिसके लिए निर्धारित पारिश्रमिक देय होता है।

भारत के परिप्रेक्ष्य में यह शब्द दो प्रकार के कामों के लिए सर्वाधिक प्रचलन में है पहला, उबर - ओला टैक्सी कंपनियों के वाहन चालकों के लिए और दूसरा विभिन्न ई कॉमर्स कंपनियों के डिलीवरी बॉयस के लिए। कुछ लोग इस काम को अपने मुख्य काम के अलावा अतिरिक्त कमाई के लिए करते हैं, तो अधिकांश के लिए यही एकमात्र रोजगार है।

चूंकि इस प्रकार के काम में लगे लोगों का नियोक्ता के साथ सेवा संबंधी कोई पूर्णकालिक समझौता नहीं है, इन पर श्रम कानून के कोई प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

यह सही है कि भारत में लगभग 85 प्रतिशत श्रमिक और कर्मचारी असंगठित क्षेत्र में हैं अर्थात ये संगठित होकर किसी प्रकार का आंदोलन नहीं कर सकते हैं। इसी का लाभ उठाकर नियोक्ता सामान्यतया कर्मचारियों को जब चाहे हटा देते हैं। उन्हें किसी प्रकार की सेवा सुरक्षा और सेवा संबंधी अन्य लाभ भी सामान्यत: नहीं मिलते हैं। विभिन्न प्रकार के उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों में से अधिकांश किसी एजेंसी के माध्यम से संविदा पर काम करते हैं, जिनका नियोक्ता के साथ सीधा संबंध नहीं होता । यही नहीं, अब तो सरकार ने भी अपने अधिकांश कर्मचारी किसी एजेंसी के माध्यम से संविदा पर रखे हुए हैं जो विभिन्न प्रकार के सरकारी सेवा नियमों के लाभ से वंचित रहते हैं।

टैक्सी के क्षेत्र में जब से उबर और ओला कंपनियों ने प्रवेश किया, तब से टैक्सी संचालन का स्वरूप ही बदल गया। यह बड़े रोजगार के अवसर के रूप में देखा गया। कई बेरोजगार युवाओं ने नई कारें खरीद कर अपने आप को उबर और ओला के साथ पंजीकृत करवा लिया। प्रारंभ में इन्हें कई प्रकार के इंसेंटिव दिए जाते थे जो, 'राइड्स' की संख्या पर आधारित थे। ग्राहकों को भी कई प्रकार की छूट दी जाती थी। अच्छी कमाई के लालच में कई लोगों ने ऋण लेकर कारें खरीदीं और टैक्सी के रूप में इन कंपनियों के साथ रजिस्टर करवा दीं। शुरू में उनसे कमाई भी ठीक-ठाक हो जाती थी इसलिए यह स्व रोजगार का अच्छा माध्यम बन गया। जैसे-जैसे ग्राहकों की निर्भरता इन कंपनियों पर बढ़ती गई वैसे-वैसे उबर - ओला में रजिस्टर्ड वाहनों को दिए जाने वाली प्रोत्साहन राशि में कटौती प्रारंभ कर दी एवं उनका कमीशन काट कर ड्राइवरों को मिलने वाली राशि भी कम हो गई । कई लोग तो इस प्रकार की स्थिति में पहुंच गए कि उनकी कमाई में से कार लोन की किस्त चुकाना भी मुश्किल ही गया। उसमें से कमाई होना तो दूर की बात थी। लोन की किश्तें नहीं चुका पाने के कारण लोन देने वाली कंपनियां बीच रास्ते से ही वाहन जबरदस्ती उठा कर ले जाने लगीं। उनकी सबसे बड़ी समस्या यही थी कि ये कभी संगठित होकर इन बड़ी कंपनियों का मुकाबला नहीं कर सके। वैसे भी ये कंपनियां इतनी बड़ी हैं कि इनके लिए किसी भी यूनियन को तोड़ना और उसके नेताओं को खरीदना कठिन कार्य नहीं है। यही एक कारण बना, जिससे संगठित होकर उबर और ओला कंपनियों के साथ, ड्राइवरों का कोई सम्मानजनक समझौता नहीं हो पाया।

टैक्सी के अतिरिक्त, दूसरा जो बड़ा अवसर बेरोजगारों के लिए उपलब्ध हुआ है वह प्लेटफार्म बेस्ड सेवा प्रदाता जैसे स्विग्गी, जोमैटो, ब्लिंकइट आदि माध्यम से सामान लोगों के घरों तक पहुंचाने का है। इस प्रकार के काम में लगे लोगों को 'डिलीवरी बॉयज' कहा जा सकता है। आप किसी भी शहर की सड़क पर किसी भी समय निकल जाएं तो सड़क पर आपको बहुत बड़ा सा बॉक्स मोटरसाइकिल पर पीछे रखे हुए तेजी से मोटरसाइकिल चलाते हुए युवा दिख जाएंगे। इनके टी शर्ट पर लिखे नाम से ही आप पहचान सकते हैं कि यह सब डिलीवरी बॉयज हैं। इनमें कई ऐसे हैं जो कॉलेज के विद्यार्थी हैं और अपने लिए अतिरिक्त आय के साधन के रूप मे यह काम कर रहे हैं । कुछ ऐसे हैं जिनके लिए रोजगार का यही एकमात्र अवसर है।

विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों में प्रतिस्पर्धा इतनी अधिक हो गई है कि ब्लिंकिट जैसी कंपनी ने तो ठाहकों तक 10 मिनट में सामान पहुंचाने की गारंटी देना प्रारंभ कर दिया। इसका बहुत प्रचार प्रसार भी किया गया। इस समय-सीमा में सामान पहुंचाने के लिए मोटरसाइकिल चलाने वाले बहुत तेजी से मोटरसाइकिल चलाते हैं। कई बार ट्रैफिक लाइट का भी उल्लंघन करते हैं और अपनी जान को जोखिम में डाल देते हैं। इन्हें किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं मिलती न इनके काम के घंटे निश्चित हैं । ये जब भी इस कंपनी में 'लॉग इन' कर लेते हैं तो कंपनी का आदेश मिलते ही उनके पालन के लिए उपलब्ध रहना होता है । यदि लोगइन करने के बाद भी ये डिलीवरी का आदेश लेने से मना कर देते हैं तो इन्हें एक या दो दिन के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया जाता है और इन्हें उस कंपनी द्वारा कोई काम नहीं दिया जाता।

भारत में प्लेटफार्म बेस्ड गिग वर्कर्स की संख्या जो 2020-21 में लगभग 77 लाख थी वह 2024-25 में बढ़कर लगभग ढाई करोड़ हो गई है। इस संख्या में इतनी वृद्धि, बेरोजगारी की गंभीर स्थिति का ही सूचक है। कई डिलीवरी बॉयज़ से बात करने पर पता लगा कि उनमें से कई स्नातकों और किसी अन्य नौकरी के अभाव में इस प्रकार का जोखिम भरा कार्य, नाम मात्र की आमदनी में करने के लिए मजबूर हैं । यह लेख लिखने का प्रमुख उद्देश्य यही है कि अब जब भी पाठक किसी डिलीवरी बॉय को सड़क पर मोटरसाइकिल दौड़ाते हुए देखें, तो उनकी अत्यंत कठिन कार्य परिस्थितियों का उनको ध्यान रहे ताकि वे उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करें।

डिलीवरी बॉयज की समस्या को नजदीकी से देखने और अनुभव करने के लिए एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस के एक रिपोर्टर ने स्वयं डिलीवरी बॉय के रूप में तीन दिन स्विग्गी, जोमैटो और ब्लिंकिट के लिए काम किया।

उसने इन तीन कंपनियों के 23 ऑर्डर की डिलीवरी की। इस कार्य के लिए औसतन प्रति घंटा आय लगभग 34 रुपए की हुई । यदि कोई व्यक्ति लगभग 6 घंटे काम प्रतिदिन करे तो उसे प्रतिदिन लगभग 200 रुपए अर्थात एक महीने में लगभग 6000 प्राप्त होते हैं। इतने कम पैसे में कोई व्यक्ति अपने परिवार का गुजर-बसर कैसे कर सकता है? अपनी जान जोखिम में डालकर यह काम करना किसी भी रूप में सुविधाजनक नहीं है। इस रिपोर्टर का यह भी अनुभव था कि अधिकांश स्थानों पर उसे तीन से चार मंजिल सीढियां चढ़कर, 10 से 15 किलो तक वजन उठाकर पहुंचना पड़ा। निरंतर इस प्रकार का काम करते रहने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं । उल्लेखनीय है कि जिन व्यक्तियों को डिलीवरी की गई, उनमें से किसी ने मुस्कुरा कर डिलीवरी बॉय को धन्यवाद तक नहीं कहा, टिप तो दूर की बात है। पाठकों से यह आग्रह है कि भविष्य में उनके पास यदि कोई डिलीवरी बॉय आए तो उसकी सराहना करें एवं उसको मुस्कुरा कर धन्यवाद अवश्य दें । इससे यदि उसे आर्थिक लाभ न भी हो तो उसे अच्छा एहसास तो होगा।

अधिक कमाई के लालच में ये डिलीवरी बॉयज कई बार 10- 12 - 15 घंटे तक लगातार काम करते हैं। इस प्रकार के काम से थकान आना स्वाभाविक है क्योंकि शारीरिक क्षमता भी सीमित होती है । इस कारण दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है । क्योंकि इस प्रकार के काम करने वाले लोग बहुत सरलता से उपलब्ध हो जाते हैं इसलिए इनमें संगठित होकर अपना पारिश्रमिक बढ़वाने के लिए आंदोलन कर पाना संभव नहीं है। यह वास्तविकता, देश में बेरोजगारी की भयावह स्थिति का एक संकेत मात्र है । इसी लिए उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार की पाठकों से अपेक्षा है।

राजस्थान ऐसा पहला राज्य है, जिसने राजस्थान प्लेटफार्म बेस्ड गिग वर्कर्स (पंजीयन एवं कल्याण) अधिनियम, 2023 बनाया । इसके अंतर्गत प्रत्येक प्लैटफॉर्म बेस्ड वर्कर के लिए पंजीयन की अनिवार्यता है। इसी प्रकार, सेवा प्रदाता को भी अपना पंजीकरण कराना होता है। इनके लिए स्वास्थ्य सुविधा और दुर्घटना बीमा आदि की व्यवस्था की गई है। इस कानून के अंतर्गत एक गिग वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड के गठन और वेलफेयर फंड का प्रावधान किया गया है। इस कल्याण कोष के माध्यम से विभिन्न प्रकार के गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और दुर्घटना के समय सहायता करने की व्यवस्था की गई है । श्रम मंत्री की अध्यक्षता में यह बोर्ड बनाया गया है। इसमें राज्य के विभिन्न विभागों के सचिव सदस्य हैं।

राजस्थान द्वारा यह कानून बनाए जाने के बाद कर्नाटक और केरल ने भी इसी प्रकार के कानून बनाए हैं । यह कानून बहुत आवश्यक था क्योंकि इसके अभाव में गिग वर्कर्स का आर्थिक, शारीरिक और मानसिक शोषण हो रहा था। यदि यह कानून प्रभावी रूप से लागू किया जाए और सेवा प्रदाता थोड़ी भी संवेदनशीलता का परिचय दें तो इन गिग वर्कर्स की सेवा शर्तों और सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है। हालांकि इन पर कोई न्यूनतम मजदूरी कानून लागू नहीं होता, किंतु समय के साथ-साथ संगठन बनने के बाद, संभव है इनके लिए न्यूनतम आय प्रति घंटा निर्धारित की जा सके।

भारत में प्लेटफार्म बेस्ड गिग वर्कर्स की संख्या जो 2020-21 में लगभग 77 लाख थी वह 2024-25 में बढ़कर लगभग ढाई करोड़ हो गई है। इस संख्या में इतनी वृद्धि, बेरोजगारी की गंभीर स्थिति का ही सूचक है। कई डिलीवरी बॉयज़ से बात करने पर पता लगा कि उनमें से कई स्नातकों और किसी अन्य नौकरी के अभाव में इस प्रकार का जोखिम भरा कार्य, नाम मात्र की आमदनी में करने के लिए मजबूर हैं ।

यह लेख लिखने का प्रमुख उद्देश्य यही है कि अब जब भी पाठक किसी डिलीवरी बॉय को सड़क पर मोटरसाइकिल दौड़ाते हुए देखें, तो उनकी अत्यंत कठिन कार्य परिस्थितियों का उनको ध्यान रहे ताकि वे उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करें।

10 मिनट में डिलीवरी करने की गारंटी देने के विज्ञापन पर हाल ही में न्यायालय द्वारा रोक लगा दी गई है क्योंकि इसी गारंटी के कारण पेनल्टी से बचने के लिए डिलीवरी करने वाले तेज गति से मोटर साइकिल चलाते हैं और ट्रैफिक नियमों की अवहेलना भी करते हैं ताकि किसी प्रकार की पेनल्टी नहीं लगे ।

गिग वर्कर्स के कारण नागरिकों के कई प्रकार के काम समय पर घर बैठे होने लगे हैं और वे घर बैठकर किसी भी प्रकार का सामान तत्काल प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यकता केवल इसी बात की है कि इस काम में लगे लोगों की सेवा शर्तें, सुरक्षा और कल्याण के लिए बनाए गए कानून के प्रावधानों का पालन उसकी भावना के अनुसार किया जाए ताकि यह वर्ग हर प्रकार के शोषण से बच सके।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

युवाओं के भरोसे की वापसी: राजस्थान में रोजगार और पारदर्शिता का दौर

अलका सक्सेना

सरकारी नियुक्तियों का कैलेंडर, निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन और कौशल विकास के साथ ही पेपरलीक पर रोकथाम के ठोस प्रयासों से भजनलाल शर्मा सरकार ने युवाओं के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाई है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण शक्ति उसके युवाओं में निहित होती है। युवा वह ऊर्जा हैं जो समाज को दिशा देती है, अर्थव्यवस्था को गति देती है और लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करती है। लेकिन जब यही युवा अपने भविष्य को लेकर असमंजस, अनिश्चितता और अविश्वास से घिर जाते हैं, तो यह किसी भी सरकार के लिए गंभीर चेतावनी होती है। पिछले कुछ वर्षों में भर्ती परीक्षाओं में देरी, कैलेंडर की अस्पष्टता, पेपर लीक जैसी घटनाओं और रोजगार के सीमित अवसरों ने युवाओं के मन में निराशा का भाव पैदा किया था। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में राजस्थान की वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने युवाओं को केंद्र में रखकर जो नीतिगत और प्रशासनिक निर्णय लिए हैं, वे भरोसा बहाल करने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी प्रयास के रूप में सामने आए हैं।

राजस्थान में युवाओं की सबसे बड़ी चिंता लंबे समय से रोजगार और सरकारी भर्तियों को लेकर रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों युवा अपनी उम्र का सर्वश्रेष्ठ समय पुस्तकों, कोचिंग संस्थानों और परीक्षा केंद्रों के बीच बिताते हैं। ऐसे में जब परीक्षाएं समय पर नहीं होतीं या परिणामों में अनावश्यक देरी होती है, तो उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है। भजनलाल शर्मा सरकार ने सत्ता संभालते ही इस सच्चाई को स्वीकार किया और युवाओं के भरोसे को लौटाने को अपनी प्राथमिकता बनाया। सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बड़े पैमाने पर सरकारी नियुक्तियां और उनकी स्पष्ट समयरेखा है। वर्तमान कार्यकाल में अब तक एक लाख से अधिक युवाओं को राजकीय सेवा में नियुक्तियां दी जा चुकी हैं।

करीब डेढ़ लाख भर्तियों की प्रक्रिया प्रगति पर है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण कदम है एक लाख पदों की भर्ती के लिए स्पष्ट कैलेंडर जारी करना। वर्षों बाद पहली बार युवाओं के सामने एक ऐसा दस्तावेज आया है, जो यह बताता है कि किस परीक्षा की प्रक्रिया कब शुरू होगी और किस समय तक पूरी की जाएगी। अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा अपने लक्ष्य और समय का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगे।

भर्तियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता को सर्वोपरि महत्त्व देते हुए पेपर लीक और अनियमितताओं से उपजे अविश्वास को दूर करने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। परीक्षा प्रक्रिया में तकनीक का अधिक उपयोग, निगरानी तंत्र को मजबूत करना और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जैसी पहलों से स्पष्ट हैं कि मेहनत करने वाले युवाओं के साथ किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रत्येक युवा को सरकारी सेवा में स्थान मिलना संभव नहीं, लेकिन हर युवा को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलना चाहिए। इसी दृष्टिकोण के साथ सरकार ने निजी क्षेत्र में भी रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया है। आंकड़े बताते हैं कि निजी क्षेत्र में ढाई लाख से अधिक रोजगार का सृजन हो चुका है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सरकार उद्योग, निवेश और उद्यिमता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करने में गंभीर है।

कौशल विकास इस पूरी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। बाजार को कुशल और प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है। इस आवश्यकता को समझते हुए राज्य सरकार ने करीब साढ़े तीन लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है। यह प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार योग्य बनाता है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास भी देता है कि वे बदलते समय और तकनीकी मांगों के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। कौशल प्रशिक्षण को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने की यह नीति युवाओं को अपने ही क्षेत्र में भविष्य तलाशने का अवसर देती है।

शिक्षा और कौशल के साथ-साथ सरकार ने स्टार्टअप और स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित किया है। युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाने की सोच सरकार की नीतियों में स्पष्ट झलकती है। उद्यिमता को बढ़ावा देने वाली योजनाएं, वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन से अनेक युवा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक भी है, जहां युवा जोखिम लेने और नवाचार करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

भजनलाल शर्मा सरकार की एक और महत्वपूर्ण विशेषता युवाओं के साथ संवाद है। सरकारी नीतियां तभी सफल होती हैं जब उनके लाभार्थी खुद को प्रक्रिया का हिस्सा महसूस करें। युवाओं की समस्याओं को सुनना, उनके सुझावों को महत्व देना और उन्हें भरोसे में लेने का दृष्टिकोण लोकतांत्रिक शासन को मजबूत करता है। इससे युवाओं में यह भावना पैदा होती है कि सरकार केवल आदेश देने वाली संस्था नहीं, बल्कि उनकी साझेदार है।

निस्संदेह, बेरोजगारी जैसी जटिल समस्या का समाधान एक दिन में संभव नहीं है। लेकिन सही दिशा में उठाए गए कदम, स्पष्ट नीति और ईमानदार प्रयास यह विश्वास दिलाते हैं कि सरकार समस्या की जड़ तक पहुंचना चाहती है। सरकारी नियुक्तियां, निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन, कौशल प्रशिक्षण और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया इत्यादि मिलकर युवाओं के लिए एक सकारात्मक वातावरण तैयार कर रही हैं।

राजस्थान की वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने युवाओं के साथ विश्वास का नया अध्याय लिखा है। सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि युवाओं में यह भावना मजबूत हुई है कि उनकी मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी। यदि यही प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और निरंतरता बनी रही, तो राजस्थान का युवा न केवल अपने राज्य, बल्कि देश के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। युवाओं में जगा यह विश्वास राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला बनता है।

–अलका सक्सेना,
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क
(सेनि.)

ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना

दौसा एवं सवाई माधोपुर जिलों के 1256 गांवों एवं 6 कस्बों में होगी पेयजल आपूर्ति

मानसिंह मीणा

- **3 लाख 6 हजार 198 जल कनेक्शन होंगे**
- **35 लाख की आबादी को मिलेगा शुद्ध पेयजल**
- **4 हजार 58 करोड रूपये होंगे खर्च**

राजस्थान लंबे समय से पानी की कमी से जूझता रहा है जिससे न केवल आम जनजीवन प्रभावित होता है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं पशु पालन पर भी असर पड़ता है। ऐसे में जल जीवन मिशन के तहत निर्माण हो रही ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना से दौसा एवं सवाई माधोपुर जिले के 1 हजार 256 गांव एवं 6 कस्बों को 3 लाख 6 हजार 198 जल संबंध किये जाएंगे। इस परियोजना से दोनों जिलों के 35 लाख आबादी को स्वच्छ पेयजल मिलेगा बल्कि पर्याप्त जल उपलब्धता से किसानों और पशुपालकों को सीधा लाभ होगा।

प्रथम पैकेज के अन्तर्गत 225 एमएलडी फिल्टर प्लान्ट एवं 2 स्वच्छ जलाशय (ईसरदा 24.5), बगडी-21.5 एमएल) व 2 पम्प हाउस एवं कुल 341 किमी टांसमिशन पाईपलाईन (इनटेक वैल से महुआ तक) बिछाने का कार्य कार्य किया जा रहा है। फर्म द्वारा 286 किमी पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जा चुका है। वर्तमान में मुख्य टांसमिशन पाईप लाईन, क्वाटर्स, गेस्ट हाउस, स्वच्छ जलाशय व फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

द्वितीय पैकेज के अन्तर्गत ईसरदा बांध पर इन्टेक वैल एवं पम्प हाउस (भवन निर्माण) कार्य किया जा रहा है। जिसकी अनुमानित लागत राशि रूपये 17.82 करोड़ है।

तृतीय पैकेज (अ) के अन्तर्गत लालसोट कलस्टर के तहत 302 ग्रामों की 5 लाख 57 हजार 652 जनसंख्या (2054) को 33 हजार 460 जल संबंधों के माध्यम से एवं लालसोट शहर की 69 हजार 35 जनसंख्या (2054) को लाभान्वित किया जाएगा। वर्तमान में पाईप लाईन सप्लाई व स्वच्छ एवं उच्च जलाशय का निमार्ण कार्य प्रगति पर है।

तृतीय पैकेज (ब) के अन्तर्गत दौसा कलस्टर के तहत 248 गांवों की 5 लाख 92 हजार 868 जनसंख्या (2054) को 39 हजार 250 जल संबंधों के माध्यम से एवं दौसा शहर की 1 लाख 79 हजार 790 जनसंख्या (2054) को लाभान्वित किया जाएगा।

चतुर्थ पैकेज बसवा कलस्टर पैकेज के अन्तर्गत 368 ग्रामों की 9 लाख 81 हजार 746 जनसंख्या (2054) को 58 हजार 562 जल संबंधों के माध्यम से एवं बांदीकुई शहर की 1 लाख 56 हजार 800 जनसंख्या (2054) को लाभान्वित किया जाना प्रस्तावित है। पैकेज चतुर्थ (बसवा व सिकराय) का कार्यादेश जारी किया जा चुका है। वर्तमान में पाईप लाईन सप्लाई व स्वच्छ एवं उच्च जलाशय का निमार्ण कार्य प्रगति पर है। कलस्टर के तहत 2077 किमी पाईप लाईन बिछाई जानी है, अब तक 1666 किमी पाईपलाईन बिछायी जा चुकी है।

पंचम पैकेज महुआ के तहत वर्तमान में पाईप लाईन सहित स्वच्छ एवं उच्च जलाशय का निमार्ण कार्य किया जा रहा है। इस पैकेज के अन्तर्गत 315 किमी पाईप लाईन बिछाई जानी है। जिसमें अभी तक 208 किमी पाईपलाईन बिछाई जा चुकी है।

षष्टम पैकेज कलस्टर बौंली, चौथ का बरवाड़ा व मलारना डूंगर पैकेज का कार्य परियोजना खण्ड सवाईमाधोपुर द्वारा सम्पादित किया जा रहा है। पैकेज के अन्तर्गत बौली तहसील के 99 ग्रामों को, मलारना डूंगर तहसील के 61 ग्रामों को एवं चौथ का बरवाड़ा तहसील के 17 ग्रामों को पेयजल से लाभान्वित किया जाएगा।

–मानसिंह मीणा,
उप निदेशक (जनसम्पर्क)
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर

सांवलिया सेठ के भंडार के दूसरे चरण की गिनती में 5.54 करोड़ की राशि प्राप्त हुई

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 17 जनवरी चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती सोमवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में दूसरे चरण में हुई। दूसरे चरण से भंडार से 5 करोड़ 54 लाख 25 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पहले प्रथम चरण में 10 करोड़ 25 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए थे। इन दोनों को मिलाकर भंडार से 15 करोड़ 79 लाख 25 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। तीसरे चरण की गिनती मंगलवार को होगी।

वहीं रविवार को मौनी अमावस्या पर्व पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर मंडल एवं प्रशासन की ओर से भक्तों को पंक्तिबद्ध क्रम से एवं शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन हो ऐसी व्यवस्था की गई। मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई। अमावस्या पर्व पर शाम पांच बजे मंदिर मंडल की ओर से देवकी सदन धर्मशाला में महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रेमपूर्वक बैठकर भोजन ग्रहण किया। इस मौके पर दो दिवसीय अमावस्या मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी सहित मंदिर व बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

मंदिर कर्मचारियों ने भंडार से निकले नोटों की गिनती की।

राशिफल मंगलवार 20 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र दिन 1:07 तक, सिद्धि योग रात्रि 8:01 तक, बालव करण दिन 7:21 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:35 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज द्विपुष्कर योग दिन 1:07 से रात्रि 2:43 तक है। राजयोग दिन 1:07 से आरम्भ होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है। पंचक रात्रि 1:35 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:59 से 11:18 तक, लाभ-अमृत 11:18 से 1:57 तक, शुभ 3:16 से 4:35 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:55

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

सिंह
वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यक्तिगत प्रयासों और परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।